जयपुर

सुरों का सरगम फाईनल का भव्य आयोजन

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ धर्मसंघ की संगीत के क्षेत्र में उभरती हुई प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करने दृष्टि से सरगम (समूह गायन प्रतियोगिता) का आयोजन देशभर में किया गया। रत्नों के शहर जयपुर में रत्नों की खोज करने के लिए फाईनल राउण्ड का आयोजन मानसरोवर-जयपुर स्थित दीप स्मृति ऑडीटोरियम में तेरापंथ युवक परिषद जयपुर की ओर से किया गया। सरगम की पूर्व संध्या पर ज्ञानशाला के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री उदित कुमारजी के सान्निध्य में विधाधर नगर स्थित तेरापंथ भवन में सरगम में भाग लेने वाली टीमों के द्वारा एवं जयपुर परिषद् के सदस्यों ने गुरुइंगित सामायिक की।

सरगम फाईनल की मेजबानी करते हुये तेयुप जयपुर के अध्यक्ष श्री श्रेयांस पारख ने पधारे हुये अतिथियों व समाजबन्धुओं का स्वागत अभिनन्दन करते हुये कहा कि आज का दिन तेयुप जयपुर के लिए स्वर्णिम दिन है, जब राष्ट्रीय स्तर की हस्तियों का यहां एक लक्ष्य के साथ आगमन हुआ है। सरगम के इस मंच पर सुर और ताल से एक नया संगीत संवरता है। सचमुच में हमारा जीवन भी एक सरगम है। जब तक सुर और ताल नहीं मिलते हम आगे नहीं बढ़ सकते। जहां सुर और ताल मिलते हैं तभी संगीत में माधुर्य आता है ठीक वैसे ही एक दूसरे का अपनापन, सौहार्द, समन्वय और तालमेल मिलता है तब जीवन में संगीत बजता है और वही संगीत हमे अपने वातावरण अपने परिवेश को मधुर बनाता हैं। सरगम की संयोजना में राष्ट्रीय संयोजक श्री सुबोध जी पुगलिया व श्री लक्की जी कोठारी के साथ जयपुर कार्यसमिति के सदस्य श्री प्रभात गांधी ने सरगम का जो भव्यतम स्वरूप प्रदान किया उसको शब्दों मे बखान नहीं कर सकते।

अभातेयुप जैन तेरापंथ न्यूज़

क्रमशः

सुरों का सरगम फाईनल का भव्य आयोजन
जयपुर

कार्यक्रम में अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष-श्री विमल जी कटारिया, उपाध्यक्ष प्रथम-श्री मुकेश जी गुलगुलिया, उपाध्यक्ष द्वितीय-श्री पंकज जी डागा, महामंत्री-श्री संदीप जी कोठारी, सहमंत्री प्रथम-श्री रमेश जी डागा, सहमंत्री द्वितीय-श्री

अभिनन्दन जी नाहटा, कोषाध्यक्ष-श्री नवीन जी बैंगानी, संगठन मंत्री-श्री पवन जी मांडोत, अभातेयुप कार्यसमिति सदस्य व तेयुप जयपुर के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री गौतम जी मेहता, निवर्तमान अध्यक्ष श्री संजीव जी कोठारी, सरगम के राष्ट्रीय संयोजक श्री सुबोध जी पुगलिया व मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव के राष्ट्रीय संयोजक श्री हितेश जी भांडिया, श्री सिद्वार्थ गधैया सहित अनेंको गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विमल जी कटारिया ने गायक कलाकारों की आधुनिक वाद्ययंत्रों के साथ बहुत ही आकर्षक एवम् सुरीली प्रस्तुति से बहुत ही प्रभावित नजर आये। उन्होंने कहा कि गुलाबी नगरी में भारत के विभिन्न प्रान्तों से आये हुए संभागियों ने अपने भक्तिमय संगीत के वादन से इस तरह का समा बांधा कि पूरा वातावरण संगीतमय हो गया। यह पुरा आयोजन अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के मापदण्डों पर आयोजित किया गया। फाईनल में पहुँची सभी 9 टीमों के संभागियों ने ऐसा समा बांधा कि लोग मंत्रमुग्ध हो गये गायक कलाकारों ने पारम्परिक लोकगीतो, देशभक्ति एवम् आध्यात्मिक गीतों को गाते हुये अपनी प्रस्तुति दी तो मानो पुरा वातावरण सुरों के सरगम संगीत की धुन के माहौल में ढल गया।

अभातेयुप से कार्यक्रम का संचालन करते हुये श्री मनीष जी पगारिया ने बताया कि संगीत-गायन के क्षेत्र में युवा प्रतिभाओं को आगे बढने का अवसर प्रदान करना, इस कार्यक्रम का मुख्य उद्ेश्य है। आधुनिक वाद्ययंत्रों से युक्त इस संगीतमय शाम में सरगम के फाईनल राउण्ड में बेंगलुरु, बालोतरा, डोंबिवली, कांकरोली, सांताक्रुज, उधना, सूरत ए, सूरत बी, जयपुर सहित 9 टीमों की प्रस्तुति हुई। भारत में संगीत के क्षेत्र में अपना एक अलग स्थान रखने वाले श्री मनमोहन सिंह जी, तेरापंथ धर्मसंघ की सुर कोकिला श्रीमती मिनाक्षी भूतोडिया, जयपुर से पंड़ित जगदीश नारायण शर्मा द्वारा बैंगलोर व जयपुर को संयुक्त रूप से विजेता टीम के रूप में चुना गया। इसके साथ ही टीम डोम्बिवली को द्धितीय तथा टीम कांकरोली को तृतीय स्थान के लिए चुना गया।

जयपुर से सरगम टीम के सदस्य श्रेयांस बैगानी (मंत्री, तेयुप जयपुर), संदीप भंडारी, दीपक भंसाली, प्रदीप बाफना, सुनील लूनिया, धर्मेन्द्र बोथरा, बिनीत सुराणा, सुनील डागा, पारस हीरावत, पंकज पारख ने शानदार प्रस्तुति के माध्यम से फाईनल में तेयुप जयपुर को विजेता का ताज पहनाया। इसमें सरगम टीम के संयोजक संजीव सुराणा व अविनाश छाजेड़ के साथ गुरूजी चिराग जी रोशन व उनकी सम्पूर्ण टीम का योगदान रहा।

अभातेयुप जैन तेरापंथ न्यूज़

क्रमशः

सुरों का सरगम फाईनल का भव्य आयोजन

जयपुर

तेयुप जयपुर के अध्यक्ष श्री श्रेयांस पारख ने बताया कि कार्यक्रम में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल की नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी बैद का परिषद् परिवार की ओर से उनके द्वारा नवमनोनीत जयपुर से ही उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता जी डागा, परामर्शक श्रीमती विजयलक्ष्मी जी भूरा एवं कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती विमला जी दुगड़, श्रीमती मधु जी श्यामसुखा श्रीमती सुशीला जी चौपड़ा की उपस्थिति में किया गया।

उदारमना महानुभावों ने हमे मुक्त हस्त सहयोग प्रदान किया है उनमें मुख्य प्रायोजक के रूप में श्री उमरावमल प्रमोद महेन्द्र नरेन्द्रजी छाजेड़ व सह प्रायोजक के रूप में श्री दलपत जी लोढ़ा, श्री दौलत जी कैलाश जी डागा, श्री विजयसिंह जी अवनीश कुमार जी बैद, गुलाब कौशल्या चैरिटेबल टस्ट्र से श्री नरेश जी मेहता, श्री गोकुलचन्द जी राजेश जी पटावरी, श्री अजित जी बरड़िया, श्री पुरनचन्द जी विकास जी चौपडा, श्री हेमराज जी पुगलिया से सहयोग प्राप्त हुआ है। सरगम की प्रेक्टिस हेतु जगह प्रदान करने के लिए श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी शिक्षा समिति व विशेषकर समिति अध्यक्ष नरेश जी मेहता जो युवक परिषद् में किसी भी तरह के सहयोग के लिए हमेशा तैयार रहते है व कार्यक्रम ओर आवास व्यवस्थाओं के संदर्भ में निःशुल्क स्थान उपलब्ध करवाने में अणुविभा जयपुर केन्द्र के अध्यक्ष श्री विजयसिंह जी बैद व उनकी पूरी टीम का सहयोग रहा। सभी ने कार्यक्रम की बहुत प्रशंसा की।

जयपुर परिषद् के मंत्री श्री श्रेयांस बैंगानी ने बताया कि कार्यक्रम में राष्ट्रीय, प्रान्तीय व स्थानीय स्तर की सभा-संस्थाओं से गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति रही। जिनमें विशिष्ट उपस्थिति श्री पदमचन्द जी पटावरी-सदस्य कल्याण परिषद्, अभातेयुप के भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अविनाश जी नाहर, श्री गौरव जी मांडोत-महामंत्री, जैन विश्व भारती, श्री राकेश जी नौलखा-मंत्री, अणुव्रत विश्व भारती, श्री पन्नालाल जी बैद-ट्रस्टी व मंत्री श्री सुरेन्द्र जी बोरड-जय तुलसी फाउडेशन, श्री राजीव जी छाजेड़-अध्यक्ष, प्रेक्षा विश्व भारती एवम् श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, जयपुर अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जी जैन, जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के कार्यसमिति सदस्य श्री विकास पुगलिया सहित सभी स्थानीय सभा संस्थाओं के अध्यक्ष, मंत्री, पदाधिकारियों, कार्यसमिति सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के दौरान आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेन्टर, जयपुर के संस्थापक संरक्षक न्यासी श्रीमान् सम्पतमल जी बच्छावत ने सेन्टर की सुविधाओं में विस्तार करने की दृष्टि से सेन्टर में सोनोग्राफी मशीन लगवाने हेतु 35 लाख व आचार्य महाप्रज्ञ प्रज्ञा केन्द्र योजना के तहत एक प्रज्ञा केन्द्र बनवाने की स्वीकृति प्रदान की। इसी क्रम में गुलाब कौशल्या चेरिटेबल ट्रस्ट से श्री नरेश जी मेहता ने भी आचार्य महाप्रज्ञ प्रज्ञा केन्द्र योजना के तहत एक प्रज्ञा केन्द्र बनवाने के लिए स्वीकृति प्रदान की।

क्रमशः

सुरों का सरगम फाईनल का भव्य आयोजन
जयपुर

सुरों का महासंग्राम सरगम के फाईनल को भव्यतम स्वरूप प्रदान करने में जयपुर की सम्पूर्ण युवा शक्ति ने जो श्रम व समय का नियोजन किया एवं आयोजन को सफल बनाया उनमें कुछ कार्यकर्ताओं का श्रम बहुत ही उल्लेखनीय रहा श्री प्रदीप डागा, श्री अमित मेहता, श्री हर्षराज रांका, श्री ललित बैंगानी, श्री रोहित बोथरा, श्री प्रवीण जैन, श्री नवीन जैन, श्री गर्वित कोचर, श्री सुमित चौरडिया, श्री अभिषेक गोठी, श्री महेंन्द्र दुगड, श्री राज गोलछा, श्री गौतम बरड़िया, श्री हेमन्त दसानी, श्री अशोक गोठी, श्री कमलेश गोठी, श्री अल्पेश जैन, श्री राकेश गंग, श्री सुनील बोथरा, श्री रवि छाजेड़, श्री मोहित सुराणा, श्री राजेश संचेती, श्री आनन्द सुराणा, श्री अभिषेक भंसाली के साथ किशोर मण्डल के सदस्यों सहित तेयुप जयपुर के सभी परामर्शक श्री राजेन्द्र जी बरड़िया, श्री छत्तर जी हीरावत, श्री दलपत जी लोढ़ा, श्री हिम्म्त जी डोसी, श्री हेमराज जी पुगलिया, श्री दौलत जी डागा, श्री रवि जी बोरड़, श्री राजकुमार जी दुगड़, श्री निर्मल जी बोरड़ व श्री जब्बर जी चिंडालिया का योगदान रहा। तेयुप के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री अशोक बैद, व भुतपूर्व मंत्री श्री राजेश धाड़ेवा, व श्री सत्यव्रत पुगलिया, श्री निर्मल जैन, श्री कैलाश छाजेड, श्री गणपत भंडारी, श्री रोशन दुधेड़िया श्री भरत सेठिया, श्री सम्पतमल गांधी व महिला मण्ड़ल से श्रीमती संतोष सुखानी, का भी उल्लेखनीय श्रम रहा। तेयुप जयपुर के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री समीर बाबेल ने दीप स्मृति ऑडीटोरियम में सरगम के इस इवेंट की व्यवस्थाओं को मैनेज किया, वह बहुत ही अविस्मरणीय है।

कार्यक्रम की आयोजना में सरगम के राष्ट्रीय संयोजक श्री सुबोध पुगलिया, श्री लक्की कोठारी व स्थानीय संयोजक श्री हर्ष छाजेड़, श्री सिद्धार्थ गधैया, श्री कपिल दुगड सहित तेयुप के पदाधिकारीगण व सभी कार्यकर्ताओं का उल्लेखनीय श्रम रहा। कार्यक्रम का संचालन श्री मनीष जी पगारिया, श्री सिद्धार्थ गधैया व सहमंत्री प्रथम श्री हितेश कोठारी, श्री कपिल दुगड व कोषाध्यक्ष श्री विनय भंसाली द्वारा किया गया। आभार-ज्ञापन संयोजक हर्ष छाजेड़ द्वारा किया किया।

प्रस्तुति : अभातेयुप जैन तेरापंथ न्यूज़